by coordinating the efforts of the Ministries of Energy and Railways; and

(b) if so, what steps are being taken for coordination in persuance of the decision of the committee?

THE MINISTER OF ENERGY AND IRRIGATION AND COAL (SHRI A. B. A GHANI KHAN CHAUDHURI): (a) and (b). A Cabinet Committee on Industrial Infrastructure has been formed under the Chairmanship of the Union Minister of Finance. Among other things the Committee reviews the production and movement of coal for various sectors. The Committee also serves as a high level body for coordinating the activities of the Ministry of Railwavs and the Departments of Coal and Power. The movement of coal to thermal power stations has also been reviewed at a meeting taken by the Prime Minister. The Committee has held two meetings and a programme to step up the movement of coal has been drawn up in consultation with the Ministry of Railways.

Views of All India Small and Medium Newspapers' Association regarding News Agencies

64. SHRI N. E. HORO:

Will the Minister of INFORMATION AND BROADCASTING be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the All India Small and Medium Newspapers' Association has favoured more than one news agency; and

(b) if so, the reaction of Government thereto?

THE MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING & SUPPLY AND REHABILITATION (SHRI VASANT SATHE): (a) Press reports to this effect have come to the notice of the Government.

(b) Presently four news agencies namely Press Trust of India, United News of India, Hindustan Samachar and Samachar Bharati are functioning. Whether they should be unified or not is a matter primarily for the news agencies themselves to consider and decide.

High priority to Hydro-Electric Schemes

65. SHRI VIJAY KUMAR YADAV:

SHRIMATI GEETA MUKHERJEE:

Will the Minister of ENERGY AND IRRIGATION AND COAL be pleased to state:

(a) whether it is a fact that the working group on energy policy has stressed the need to give a high priority to hydro-electric schemes; and

(b) if so, what are the details and Government's decision thereon?

THE MINISTER OF ENERGY AND IRRIGATION AND COAL (SHRI A. B. A. GHANI KHAN CHAUDHURI): (a) Yes, Sir.

(b) The Working Group on Energy Policy while stressing that hydel development should receive very high priority has suggested that the following aspects should receive immediate attention:

(i) early completion of the reassessment of hydel potential and undertaking of surveys and investigations to forfurmulate hydel projects;

(ii) evolving of well-conceived scheme of financial and technical assistance from the Central Government to the State Government to take up long gestation hydel projects;

(iii) speedy resolution of interstate disputes and evolving procedures for taking up large river valley projects jointly by the States and the Centre;

(iv) prompt and pragmatic examination impact of hydel development on environment;

(v) developing appropriate organisational structure to manage large hydel projects located in small states and remote areas;

(vi) development of micro hydel power stations in hilly areas and pursuing the possibility of developing low-head hydel resources along canals.

The Report of the Working Group was submitted recently and its recommendations are yet to be considered by the Government. However, the need for according high priority to hydel development is well recognised by the Government.

बिहार में बख्तियारपुर के समीप गंगा के किनारे ताप बिजली घर की स्थापना

66. **श्री विजय कुमार यादव** : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का बिजली का उत्पादन बढ़ाने के लिए और बिहार में नालन्दा तथा इसके आस-पास के क्षेत्र में बिजली की भारी कमी की स्थिति में सुधार के लिए बख्तियारपुर के समीप गंगा के किनारे ताप बिजली घर स्थापित करने का विचार है; और

(ख) यदि हां, तो इसमें कितना समय लगेगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी): (क) बख्तियारपुर के समीप गंगा के किनारे ताप विद्युत् केन्द्र की स्थापना के लिए कोई प्रस्ताव बिहार से प्राप्त नहीं हुआ है ।

(ख): प्रश्न नहीं उठता ।

बिहार के नालन्दा जिले में सिंचाई योजनाओं की कमी

67. **श्री विजय कुमार यादव** : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार के नालन्दा जिले और समीपवर्ती क्षेत्रों में स्थाई सिंचाई योजनाओं की काफी कमी है जिसके कारण इन क्षेत्रों में सूखे की स्थिति उत्पन्न होना आम बात हो गई है ; और

(ख) क्या इन क्षेत्रों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए भारत सरकार पटना जिले के बख्तियारपुर के निकट गंगा नदी से एक नहर का निर्माण कराने पर विचार कर रही है और यदि हां, तो कब तक और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) और (ख) सूचना एकत्र की जा रही है और सभा पटल पर रख दी जाएगी ।

बिहार में उपभोक्ताओं को उचित दर पर कोयले का वितरण

68. **श्री विजय कुमार यादव** : क्या ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार राज्य में उपभोक्ताओं को कोयला 16 से 18 रु० प्रति मन की दर पर बेचा जा रहा है जिसके फलस्वरूप उपभोक्ताओं को कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है; और

(ख) क्या सरकार का उपभोक्ताओं को उचित दर पर कोयले की सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए कोई कदम उठाने का विचार है; और यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

ऊर्जा और सिंचाई तथा कोयला मंत्री (श्री ए० बी० ए० गनी खान चौधरी) : (क) कोल इंडिया लि० को उपलब्ध सूचना के अनुसार पटना में साफ्ट कोक का फुटकर मूल्य 14 रुपये प्रति मन के पास बताया गया है । कमी की रिपोर्टें मिली हैं किन्तु अधिकांश स्थानों पर कमी परिवहन की समस्याओं के कारण हैं ।

(ख) बिहार को सड़क तथा रेल दोनों के द्वारा साफ्ट कोक अधिक मात्रा में भेजने के लिए एक कार्यक्रम तैयार किया गया है । राज्य सरकार से अनुरोध किया गया है कि वह अपनी वितरण प्रणाली को अधिक सरल और कारगर बनाए । इससे राज्य में सप्लाई की स्थिति में सुधार होने की आशा है ।